SEE MORE JESUS · WANTTOSEEMORE.COM

बाइबल बुद्धि के बारे में क्या कहती है? — आधारशिला · स्ट्रॉन्ग्स नंबरों सहित केजेवी शास्त्र

THE FOUNDATION · THE ORIGINAL STUDY, SET IN THE ANCIENT ORDER

ज्ञान — मौलिक बाइबल सिद्धांत

उद्घाटन शब्द

> *हर कोई बुद्धिमान बनना चाहता है, परन्तु बहुत कम लोग वहीं से आरम्भ करेंगे जहाँ से परमेश्वर आरम्भ करते हैं। बुद्धि का एक आरम्भ बिन्दु है: यहोवा का भय। प्राचीन भाषा बुद्धि को चोकमाह (H2451, बुद्धि) कहती है, और उस भय को यिराह (H3374, भय) कहती है; आरम्भ से अंत तक ये दोनों साथ-साथ चलते हैं। परमेश्वर बुद्धि को तुझसे छिपाते नहीं। वह उसे देते हैं। वह उन्हीं के मुख से निकलती है, और वह उसे धर्मियों के लिये धन के समान संचित करके रखते हैं। परन्तु तुझे उसके लिये खोदना पड़ता है, जिस प्रकार लोग चाँदी के लिये खोदते हैं। और इस बात को ध्यान से देखो: जब तक तू यहोवा के भय को नहीं समझता, तब तक तू परमेश्वर के ज्ञान को नहीं पा सकता। यह बुद्धि पर आधारभूत अध्ययन है: यह कहाँ से आरम्भ होती है, उन पर कौन-सा आशीष टिकता है जो उसका भय मानते हैं, वह भय क्या है, और नया नियम उसे किस प्रकार आगे बढ़ाता है। हर शब्द को अपनी आँखों से पढ़ो। उसे खोज निकालो।*

इस अध्ययन में उत्तर दिए गए तीन प्रश्न:

1. बुद्धि का आरंभ कहाँ से होता है, और उसे कौन देता है?
2. उन लोगों को कौन से आशीष प्राप्त होते हैं जो यहोवा का भय मानते हैं?
3. यहोवा का भय क्या है, और क्या नया नियम भी इसे सिखाता है?

ग्रीक मुख्य शब्द

“भय” — **G5401 phobos** — भय, श्रद्धा
प्रभु के भय में चलते हुए, कलीसियाएँ बढ़ती गईं

“भय” — **G5399 phobeo** — डरना, आदर करना
उससे डरना ही उचित है

“ज्ञान” — **G4678 sophia** — ज्ञान
न्यू टेस्टामेंट में लाया गया वही ज्ञान

“कंपन” — **G5156 tromos** — काँपना, भय के साथ जुड़ा हुआ थरथराना
भय और कांपते हुए अपने उद्धार का कार्य पूरा करो

“गंदगी” — **G3436 molusmos** — गंदगी, दाग
हम अपने आप को शरीर और आत्मा की सारी अशुद्धता से शुद्ध करें

हिब्रू मुख्य शब्द

“ज्ञान” — **H2451 chokmah** — बुद्धि, कौशल; विचार करना, समझना, बोध करना
यहोवा बुद्धि देता है

“भय” — **H3374 yirah** — भय, श्रद्धा
यहोवा का भय मानना बुद्धि का आरम्भ है

“भय” — **H3372 yare** — डरना, आदर करना
उसके पवित्र लोगों, यहोवा का भय मानो

“समझ” — **H998 biynah** — बुद्धि, विवेक
बुद्धि और समझ की आत्मा

“ज्ञान” — **H1847 daath** — ज्ञान
परमेश्वर के ज्ञान को खोजना

“उत्तम बुद्धि” — **H8454 tuwshiyah** — ठोस बुद्धि; जो सफलता की ओर ले जाती है
धार्मियों के लिए वह उसे रखे रहता है

“बोध” — **H7306 ruwach** — सूँघना; तुरंत भाँप लेना
एक जानी-पहचानी गंध शीघ्र पहचान करा देती है

“दया करता है” — **H7355 racham** — करुणा करना, प्रेम करना, दया करना
उन पर जो उससे डरते हैं, यहोवा को दया आती है

खुलने वाला लंगर

भजन संहिता 111:10 बुद्धि का मूल यहोवा का भय है; जितने उसकी आज्ञाओं को मानते हैं, उनकी समझ अच्छी होती है। उसकी स्तुति सदा बनी रहेगी। **[H2451 chokmah ⚑] [H3374 yirah ⚑]**

यहोवा का भय = बुद्धि का आरम्भ → जो उसकी आज्ञाओं का पालन करते हैं, उन सभी की समझ अच्छी है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — बुद्धि का आरंभ यहोवा के भय से होना चाहिए; इसके अतिरिक्त और कोई द्वार नहीं है। और ध्यान दें कि उत्तम समझ कहाँ पाई जाती है: उनके साथ जो उसकी आज्ञाओं का पालन करते हैं। उत्तम समझ उत्तम सफलता है, और यह करने से मिलती है, केवल सुनने से नहीं।)

I. यहोवा का भय ज्ञान का आरम्भ है

A. यशायाह 11:2 और यहोवा की आत्मा, बुद्धि और समझ की आत्मा, युक्ति और पराक्रम की आत्मा, और ज्ञान और यहोवा के भय की आत्मा उस पर ठहरी रहेगी। (इफि. 1:17, यशा. 42:1, यूह. 14:17) **[H3374 yirah ⚑] [H1847 daath ⚑] [H998 biynah ⚑] [H2451 chokmah ⚑]**

यहोवा का आत्मा उस पर ठहरेगा = बुद्धि और समझ की आत्मा + ज्ञान और यहोवा के भय की आत्मा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहोवा का भय एक आत्मा से आरम्भ होता है। इसे यहां यहोवा के आत्मा की वस्तुओं में गिना गया है, और यह वहीं टिकता है जहां वह टिकता है।)

B. यशायाह 11:3 ओर उसको यहोवा का भय सुगन्ध—सा भाएगा। वह मुँह देखा न्याय न करेगा और न अपने कानों के सुनने के अनुसार निर्णय करेगा; (यूह. 8:15,16, यूह. 7:24) **[H3374 yirah ⚑] [H7306 ruwach ⚑]**

यहोवा के भय में शीघ्र समझ → अपनी आँखों के देखने के अनुसार न्याय न करना + और न अपने कानों के सुनने के अनुसार उलाहना देना।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — त्वरित समझ: शब्द है रूआख़ (H7306, सूंघना)। जिस प्रकार एक जानी-पहचानी गंध तुरंत पहचान करा देती है, उसी प्रकार यहोवा का भय मनुष्य को त्वरित बना देता है — वह किसी बात को उसके पूरी तरह आँखों और कानों तक पहुँचने से पहले ही जान लेता है, और वह अपनी आँखों से जो देखता है उसके अनुसार न्याय नहीं करता।)

C. नीतिवचन 2:6 क्योंकि बुद्धि यहोवा ही देता है; ज्ञान और समझ की बातें उसी के मुँह से निकलती हैं। (याकू. 1:5) **[H1847 daath ⚑] [H2451 chokmah ⚑]**

क्योंकि बुद्धि यहोवा ही देता है → ज्ञान और समझ की बातें उसी के मुँह से निकलती हैं। (याकू. 1:5.

D. नीतिवचन 2:7 वह सीधे लोगों के लिये खरी बुद्धि रख छोड़ता है; जो खराई से चलते हैं, उनके लिये वह ढाल ठहरता है। **[H8454 tuwshiyah ⚑]**

वह सीधे लोगों के लिये खरी बुद्धि रख छोड़ता है + जो खराई से चलते हैं, उनके लिये वह ढाल ठहरता है.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — सुदृढ़ बुद्धि तुशिय्याह (H8454, सुदृढ़ बुद्धि) है — ऐसी बुद्धि जो स्थिर रहती है, ऐसी बुद्धि जो सफलता की ओर ले जाती है। वह इसे धर्मियों के लिए संचित रखता है, जिस प्रकार कोई मनुष्य धन संचित रखता है; और वह स्वयं उनकी ढाल है जो खराई से चलते हैं।)

E. नीतिवचन 2:4 और उसको चाँदी के समान ढूँढ़े, और गुप्त धन के समान उसकी खोज में लगा रहे; (मत्ती 13:44) **[H4301 matmown ⚑]**

और उसको चाँदी के समान ढूँढ़े + और गुप्त धन के समान उसकी खोज में लगा रहे; (मत्ती 13:44.

F. नीतिवचन 2:5 तो तू यहोवा के भय को समझेगा, और परमेश्वर का ज्ञान तुझे प्राप्त होगा। **[H1847 daath ⚑] [H3374 yirah ⚑]**

तब तू यहोवा के भय को समझेगा + परमेश्वर के ज्ञान को पाएगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — कब? जब तुम उसके वचनों को ग्रहण करते हो, जब तुम अपना कान उनकी ओर लगाते हो, और ज्ञान के लिए पुकारते हो, और उसे उस प्रकार ढूँढ़ते हो जैसे लोग चाँदी को ढूँढ़ते हैं। तब — पहले नहीं — तुम यहोवा के भय को समझोगे, और परमेश्वर का ज्ञान पाओगे। जब तक तुम यहोवा के भय को नहीं समझते, तब तक तुम अपने विश्वास में ज्ञान नहीं जोड़ सकते; और यह बुद्धि धर्मियों के लिए संचित रखी गई है।)

II. यहोवा से डरनेवालों के आशीष

A. भजन संहिता 128:1 क्या ही धन्य है हर एक जो यहोवा का भय मानता है, और उसके मार्गों पर चलता है! **[H3373 yare ⚑]**

क्या ही धन्य है हर एक जो यहोवा का भय मानता है + और उसके मार्गों पर चलता है.

B. सभोपदेशक 12:13 सब कुछ सुना गया; अन्त की बात यह है कि परमेश्वर का भय मान और उसकी आज्ञाओं का पालन कर; क्योंकि मनुष्य का सम्पूर्ण कर्तव्य यही है। **[H3372 yare ⚑]**

परमेश्वर का भय मान + उसकी आज्ञाओं को मान = मनुष्य का सारा कर्तव्य।

C. भजन संहिता 34:9 हे यहोवा के पवित्र लोगों, उसका भय मानो, क्योंकि उसके डरवैयों को किसी बात की घटी नहीं होती! **[H3372 yare ⚑]**

हे यहोवा का भय मानो → क्योंकि जो उसका भय मानते हैं, उन्हें घटी नहीं होती।

D. भजन संहिता 103:11 जैसे आकाश पृथ्वी के ऊपर ऊँचा है, वैसे ही उसकी करुणा उसके डरवैयों के ऊपर प्रबल है। **[H2617 checed ⚑]**

जैसे आकाश पृथ्वी के ऊपर ऊँचा है = वैसे ही उसकी करुणा उसके डरवैयों के ऊपर प्रबल है.

E. भजन संहिता 103:13 जैसे पिता अपने बालकों पर दया करता है, वैसे ही यहोवा अपने डरवैयों पर दया करता है। **[H7355 racham ⚑]**

जैसे पिता अपने बालकों पर दया करता है = वैसे ही यहोवा अपने डरवैयों पर दया करता है.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — pities है racham (H7355, करुणा करना): कोमलता से प्रेम करना, जैसे एक पिता अपनी ही संतान से प्रेम करता है। यह उनका भाग है जो उससे डरते हैं — भय नहीं, बल्कि एक पिता का कोमल प्रेम।)

III. यहोवा का भय बुराई से घृणा करना है

A. नीतिवचन 8:13 यहोवा का भय मानना बुराई से बैर रखना है। घमण्ड और अहंकार, बुरी चाल से, और उलट-फेर की बात से मैं बैर रखती हूँ। **[H7451 ra ⚑] [H3374 yirah ⚑]**

यहोवा का भय = बुराई से बैर रखना।

B. नीतिवचन 16:6 अधर्म का प्रायश्चित कृपा, और सच्चाई से होता है, और यहोवा के भय मानने के द्वारा मनुष्य बुराई करने से बच जाते हैं। **[H3374 yirah ⚑]**

यहोवा के भय से मनुष्य बुराई से दूर रहते हैं।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — पहले इससे घृणा करो, फिर इससे दूर हो जाओ। यहोवा का भय मानना यह है कि वह जिस से घृणा करता है, उससे घृणा करना; और जो कोई बुराई से घृणा करता है, वह उसके निकट अधिक समय तक खड़ा नहीं रहेगा।)

C. नीतिवचन 19:23 यहोवा का भय मानने से जीवन बढ़ता है; और उसका भय माननेवाला ठिकाना पाकर सुखी रहता है; उस पर विपत्ति नहीं पड़ने की। **[H2416 chay ⚑] [H3374 yirah ⚑]**

यहोवा का भय मानने से जीवन बढ़ता है → और उसका भय माननेवाला ठिकाना पाकर सुखी रहता है.

IV. नए वचन में यहोवा का भय

A. मत्ती 10:28 जो शरीर को मार सकते हैं, पर आत्मा को मार नहीं सकते, उनसे मत डरना; पर उसी से डरो, जो आत्मा और शरीर दोनों को नरक में नाश कर सकता है। **[G622 apollumi ⚑] [G5399 phobeo ⚑]**

जो शरीर को मार सकते हैं → पर उसी से डरो, जो आत्मा और शरीर दोनों को नरक में नाश कर सकता है.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — पुरानी भाषा कहती है यिराह (H3374, भय); नई भाषा कहती है फोबोस (G5401, भय)। भाषा बदल गई, परन्तु भय दूर नहीं हुआ। अपने भय को सही स्थान पर रखो: मनुष्य पर नहीं, जो केवल शरीर को मार सकता है — बल्कि उस पर, जो प्राण और शरीर दोनों को नाश करने में समर्थ है। फिर भी याद रखो कि वह कौन है: एक उद्धारकर्ता, और वह पूर्णतः बचाता है।)

B. प्रेरितों के काम 9:31 इस प्रकार सारे यहूदिया, और गलील, और सामरिया में कलीसिया को चैन मिला, और उसकी उन्नति होती गई; और वह प्रभु के भय और पवित्र आत्मा की शान्ति में चलती और बढ़ती गई। **[G4129 plethuno ⚑] [G5401 phobos ⚑]**

यहोवा के भय में चलना + पवित्र आत्मा की शान्ति में चलना → बढ़ते गए।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहोवा के भय में चलना बहुगुणित होने का कारण बनता है। और देखिए इसकी संगति किससे है: यहोवा का भय और पवित्र आत्मा की शान्ति साथ-साथ चलते हैं। वे एक दूसरे के विरोधी नहीं हैं; कलीसियाओं के पास दोनों थीं, और वे बढ़ती गईं।)

C. 2 कुरिन्थियों 7:1 हे प्यारों जबकि ये प्रतिज्ञाएँ हमें मिली हैं, तो आओ, हम अपने आपको शरीर और आत्मा की सब मलिनता से शुद्ध करें, और परमेश्वर का भय रखते हुए पवित्रता को सिद्ध करें। **[G5401 phobos ⚑] [G42 hagiosune ⚑] [G3436 molusmos ⚑]**

हम अपने आप को शरीर और आत्मा की सारी मलिनता से शुद्ध करें → परमेश्वर के भय में पवित्रता को सिद्ध करते हुए।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — पवित्रता परमेश्वर के भय में पूर्ण होती है। यहाँ मलिनता मोलुस्मोस (G3436, filthiness) है — एक धब्बा, जैसे कपड़े के एक टुकड़े पर लगा कीचड़; और यह देह और आत्मा दोनों को प्रभावित करती है। शुद्ध करना हमारा काम है — आओ हम अपने आप को शुद्ध करें — और परमेश्वर के भय में पवित्रता अपनी पूर्ण सिद्धता तक पहुँचती है।)

D. फिलिप्पियों 2:12 इसलिए हे मेरे प्रियों, जिस प्रकार तुम सदा से आज्ञा मानते आए हो, वैसे ही अब भी न केवल मेरे साथ रहते हुए पर विशेष करके अब मेरे दूर रहने पर भी डरते और काँपते हुए अपने-अपने उद्धार का कार्य पूरा करते जाओ। **[G5156 tromos ⚑] [G5401 phobos ⚑] [G4991 soteria ⚑]**

अपने उद्धार का कार्य पूरा करो = भय और कंपकंपी के साथ।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — कँपकँपी tromos (G5156, कँपकँपी) है: एक थरथराहट जो भय के साथ चलती है। यह तुम्हारा अपना उद्धार है जिसे तुम सम्भाल रहे हो; इसे भय और कँपकँपी के साथ सम्भालो।)

समापन

नीतिवचन 2:5 तो तू यहोवा के भय को समझेगा, और परमेश्वर का ज्ञान तुझे प्राप्त होगा। **[H1847 daath ⚑] [H3374 yirah ⚑]**

यहोवा के भय को समझो → परमेश्वर के ज्ञान को पाओ।

भजन संहिता 103:17 परन्तु यहोवा की करुणा उसके डरवैयों पर युग-युग, और उसका धर्म उनके नाती-पोतों पर भी प्रगट होता रहता है, (लूका 1:50) **[H2617 checed ⚑]**

यहोवा की दया = उन पर जो उससे डरते हैं, अनादिकाल से अनंतकाल तक है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — अब सारी बात को एक साथ समेटता हूँ। यहोवा का भय ज्ञान का आरम्भ है। यहोवा बुद्धि देता है; वह इसे धर्मियों के लिये संचय करके रखता है; और जो कोई उसे चाँदी की नाईं ढूँढ़ता है, वह यहोवा के भय को समझेगा, और परमेश्वर के ज्ञान को पाएगा। वह भय बुराई से बैर रखना है। वह भय जीवन की ओर ले जाता है। जो कलीसियाएँ उसमें चलती हैं, वे बढ़ती जाती हैं, और पवित्रता उसमें सिद्ध होती है। और जो उससे डरते हैं, उन पर यहोवा की दया अनादिकाल से अनन्तकाल तक है। यहोवा का भय कोई अंधकारमय द्वार नहीं है; यह उसकी दया में प्रवेश करने का द्वार है। वहीं से आरम्भ करो।)

अभ्यास प्रश्नोत्तरी

1. भजन संहिता 111:10 — यहोवा का भय ज्ञान का आरम्भ है:

a) ज्ञान
b) समझ
c) बुद्धि

2. मत्ती 10:28 — बल्कि उससे डरो जो नाश कर सकता है:

a) आत्मा और शरीर दोनों को नरक में
b) शरीर को, परन्तु प्राण को नहीं
c) आत्मा, और शरीर नहीं

3. नीतिवचन 2:4 — यदि तू उसको चान्दी की नाईं ढूंढ़े, और गुप्त धन की नाईं उसकी खोज करे,

a) उत्तम सोना
b) छिपे हुए खज़ाने
c) मणि-रत्न

4. नीतिवचन 2:6 — क्योंकि यहोवा बुद्धि देता है; उसके मुख से ज्ञान और समझ की बातें निकलती हैं:

a) बुद्धि और शिक्षा
b) युक्ति और पराक्रम
c) ज्ञान और समझ

5. नीतिवचन 8:13 — यहोवा का भय है:
a) बुराई से घृणा करना
b) बुराई से दूर रहना
c) बुराई से डरना

6. प्रेरितों के काम 9:31 — प्रभु के भय और पवित्र आत्मा की शान्ति में चलती हुई कलीसियाएं थीं:
a) महिमामंडित किया गया
b) बिखरा हुआ
c) गुणा किया गया

7. सभोपदेशक 12:13 — परमेश्वर का भय मान, और उसकी आज्ञाओं को मान; क्योंकि मनुष्य का सर्वस्व यही है:
a) ज्ञान का आरंभ
b) मनुष्य का सम्पूर्ण कर्तव्य
c) बुद्धिमान का निष्कर्ष

उत्तर कुंजी: 1-c, 2-a, 3-b, 4-c, 5-a, 6-c, 7-b

यह अध्ययन कैसे शाखाओं में विभाजित होता है

आरंभ कहाँ मिलते हैं: नीतिवचन 1:7 कहता है कि यहोवा का भय ज्ञान का आरंभ है, और नीतिवचन 9:10 कहता है कि वह बुद्धि का आरंभ है — इन दोनों आरंभों को साथ-साथ रखकर उनके भेद को खोज निकालो।

एक पूरा अध्याय इसे किस प्रकार खोजता है: अय्यूब 28 पूछता है कि बुद्धि कहाँ मिलेगी, और अंत में कहता है, प्रभु का भय मानना ही बुद्धि है (अय्यूब 28:28)।

खजाना अब किस प्रकार छिपा हुआ है: उसे ऐसे ढूंढ़ना जैसे छिपे हुए खजानों को ढूंढ़ा जाता है (नीति. 2:4) आगे ले जाता है उस तक जिसमें बुद्धि और ज्ञान के सारे भण्डार छिपे हुए हैं (कुलु. 2:3)।

→शाखा पर आत्मा किस प्रकार ठहरता है: बुद्धि की आत्मा उस पर ठहरेगी (यशा. 11:2) — उसे ढूंढ़ निकालो जिस पर बुद्धि की आत्मा ठहरती है।

→इसे कैसे प्राप्त करें यदि आपके पास इसकी कमी है: और यदि तुम में से किसी को बुद्धि की घटी हो, तो परमेश्वर से मांगे, जो सब को उदारता से देता है और उलाहना नहीं देता (याकूब 1:5)।

SOURCES & CREDITS

Scripture: Hindi Indian Revised Version Bible (CC BY-SA 4.0) — a redistributable edition, looked up exactly and never machine-translated.

Alternate chapter/verse numbering reconciled with STEPBible TVTMS (CC BY 4.0).

Strong's numbering & original-language data: OpenScriptures Hebrew Bible (CC BY 4.0); STEPBible.org — TAHOT/TAGNT/TBESH/TBESG (CC BY 4.0); Robinson-Pierpont Byzantine Majority Text (Public Domain); Strong's dictionary, 1890 (Public Domain).

Typography: Google Noto fonts (SIL Open Font License 1.1).

© SEE MORE JESUS · wanttoseemore.com — shared under Creative Commons Attribution 4.0 (CC BY 4.0).